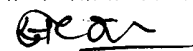


प्रथम सूचना रिपोर्ट
(अन्तर्गत धारा 154 दण्ड प्रक्रिया संहिता)

1. जिला.....प्र० नि० ब्यूरो, चौकी सवाई माधोपुर...थाना..... प्र०आ० केन्द्र,प्र०नि०ब्यूरो जयपुर.
(प्र.सू.रि.स.)309/2023.....दिनांक)22/12/2023.....
2. (अ) अधिनियम . 7,7ए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) धारा 153
बी. भा.द.सं
(ब) अधिनियमधारायें.....
(स) अधिनियमधारायें.....
(द) अन्य अधिनियम एवं धारायें
3. (अ) रोजनामचा आम रपट सख्या1057 समय7:00 PM.....
(ब) अपराध घटने का दिन-दिनांकगुरुवार 21.12.2023/02:13 पी.एम.....
(स) थाना पर सूचना प्राप्त होने का दिनांक
4. सूचना की किस्म :- लिखित/मौखिक - लिखित रिपोर्ट
5. घटनास्थल. कार्यालय क्षेत्रीय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलोदी, जिला सवाई माधोपुर
(अ) पुलिस थाना से दिशा व दूरी...बजानिव दिशा दक्षिण-पूर्व, दूरी करीब 30 कि.मी..
(ब) पताबीट सख्याजरायम देही सं.....
(स) यदि इस पुलिस थाना से बाहरी सीमा का है तो पुलिस थाना.....जिला.....
6. परिवादी/सूचनाकर्ता :-
(अ) नामश्री आरीफ खान.....
(ब) पिता/पति का नामश्री मोहम्मदजाति.....गददी मुसलमान
(स) जन्म तिथि/वर्ष33 वर्ष.....
(द) राष्ट्रीयता.....भारतीय
(य) पासपोर्ट सख्याजारी होने की तिथी.....जारी होने की जगह.....
(र) व्यवसाय.....
(ल) पता.....निवासी सेलू जिला सवाई माधोपुर .
7. ज्ञात/अज्ञात संदिग्ध अभियुक्तों का ब्योरा सम्पूर्ण विशिष्टियों सहित :-
1. राजबहादुर मीना पुत्र सन्तराम मीना जाति मीना, उम्र 33 वर्ष, निवासी खानपुर मीना, तहसील बाडी जिला धौलपुर हाल क्षेत्रीय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलोदी, जिला सवाई माधोपुर।
2. रामजीलाल पुत्र रामकुमार जाति जाट उम्र 46 वर्ष, निवासी ठींगला पुलिस थाना मानटाउन जिला सवाई माधोपुर हाल होमगार्ड नम्बर 149 सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलोदी, जिला सवाई माधोपुर।
8. परिवादी/सूचनाकर्ता द्वारा इत्तला देने में विलम्ब का कारण :-.....कोई नहीं.....
9. चुराई हुई/लिप्त सम्पत्ति की विशिष्टियां (यदि अपेक्षित होतो अतिरिक्त पन्ना लगायें).....
.....5,000/-रु० रिश्वत राशि
10. चुराई हुई/लिप्त सम्पत्ति का कुल मूल्य पंचनामा/यू.डी. केस सख्या (अगर हो तो).....
.....5,000/-रु० रिश्वत राशि
11. मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट (अप्राकृतिक मृत्यु मामला सं०) (यदि कोई हो तो)नहीं.....
12. विषय वस्तु प्रथम इत्तिला रिपोर्ट (अगर अपेक्षित हो तो अतिरिक्त पन्ना लगाये):-
सेवामें, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय, एसीबी सवाई माधोपुर, विषय:- रिश्वत लेते हुये रंगे हाथो पकडवाने बाबत। महोदय, उपरोक्त विषय में निवेदन है कि मैं आरिफ खान पुत्र मोहम्मद, गददी मुसलमान उम्र 33 वर्ष, निवासी सेलू जिला सवाई माधोपुर का रहने वाला हूँ। मेरे पास एक डम्पर नम्बर आर.जे. 25 जी.ए. 6365 है। जिससे मैं रवानाशुदा बजरी का परिवहन करता हूँ। मैं दिनांक 09.12.2023 को मैंने भूखा कांटा से बजरी भरकर, रवाना कटाकर खानपुर के लिये जा रहा था, तो मुझे रास्ते में वन विभाग की चौकी फलोदी के पास रेन्जर राजबहादुर ने रोक लिया था और मुझसे पूछा इसमें क्या है मैंने कहा की इस डम्पर में रवानाशुदा बजरी है। इस पर राजबहादुर जी ने रवाना चौक कर कहा कि यह तो फर्जी रवाना है और तेरे डम्पर में ऑवरलोड बजरी भरी हुई है। राजबहादुर रेन्जर ने मुझे डरा धमकाया। राजबहादुर जी मुझे बजरी के डम्पर चलाने के बदले में प्रति डम्पर पांच हजार रुपये रिश्वत राशि मांग रहे हैं। मैं हमेशा रवाना कटाकर ही बजरी का परिवहन करता हूँ। मैं ऐसे भ्रष्ट कर्मचारी को रिश्वत राशि नहीं देना चाहता हूँ। बल्कि रिश्वत राशि लेते हुये को रंगे हाथ पकडवाना चाहता हूँ। प्रार्थी श्री आरीफ खान पुत्र श्री मोहम्मद, जाति गददी मुसलमान, उम्र 33 वर्ष, निवासी सेलू जिला सवाई माधोपुर।

“कार्यवाही पुलिस”

प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 12.12.2023 समय 10:50 ए.एम. पर परिवादी श्री आरीफ खान उक्त हस्त लिखित रिपोर्ट के साथ उपस्थित कार्यालय आया है। प्रार्थी ने बताया की मेरे

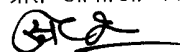


पास एक डम्फर नम्बर आर.जे. 25 जी.ए. 6365 है। जिससे मैं रवान्नाशुदा बजरी का परिवहन करता हूँ। मैं दिनांक 09.12.2023 को मैंने भूखा कांटा से बजरी भरकर, रवान्ना कटाकर खानपुर के लिये जा रहा था, तो मुझे रास्ते में वन विभाग की चौकी फलोदी के पास रेन्जर राजबहादुर ने रोक लिया था और मुझसे पूछा इसमें क्या है मैंने कहा की इस डम्फर में रवान्नाशुदा बजरी है। इस पर राजबहादुर जी ने रवान्ना चैक कर कहा कि यह तो फर्जी रवान्ना है और तेरे डम्फर में ऑवरलोड बजरी भरी हुई है। राजबहादुर रेन्जर ने मुझे डरा धमकाया। राजबहादुर जी मुझे बजरी के डम्फर चलाने के बदले में प्रति डम्फर पांच हजार रुपये रिश्वत राशि मांग रहे हैं। मैं हमेशा रवान्ना कटाकर ही बजरी का परिवहन करता हूँ। परिवारी ने मजिद दरियापत पर बताया की रिपोर्ट स्वयं द्वारा हस्तलिखित होना व रिपोर्ट पर स्वयं के हस्ताक्षर होना तथा अंकित तथ्य सही होना बताया। परिवारी की लिखित रिपोर्ट एवं मजिद दरियापता से मामला लोक सेवक द्वारा रिश्वत लेन-देन का पाया गया है।

इसके उपरान्त समय करीबन 11:20 ए.एम. पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कार्यवाहक मुख्य आरक्षक श्री रमेश कुमार कानि. 469 से कार्यालय आलमारी से विभागीय वॉइस रिकार्डर निकलवा कर परिवारी श्री आरीफ खान को रिश्वत मांग सत्यापन वार्ता को रिकार्ड करने के लिए विभागीय वॉइस रिकार्डर व वॉइस रिकॉर्डर में लगे मैमोरी कार्ड को खाली होना सुनिश्चित कर विभागीय वॉइस रिकार्डर को चालू एवं बन्द करने की विधि समझाई गई। वॉइस रिकार्डर को श्री हम्मीर सिंह कानि. 02 को सुपुर्द कर हिदायत दी गई कि परिवारी को आरोपी के पास में जाने से पूर्व वॉइस रिकॉर्डर चालू कर अपना परिचय देकर उसे सुपुर्द करें तथा रिश्वत मांग सत्यापन संबंधी वार्ता होने के बाद परिवारी के वापिस आने पर वॉइस रिकार्डर उससे प्राप्त कर बन्द कर सुरक्षित लेकर आवे तथा वापस कार्यालय में आकर पेश करें।

इसके उपरान्त समय करीबन 11:30 ए.एम. पर परिवारी श्री आरीफ खान व श्री हम्मीर सिंह कानि. को प्राईवेट वाहन से रिश्वत मांग सत्यापन हेतु परिवारी के कहे अनुसार फलोदी के लिए बाद हिदायत रवाना किया गया। जो समय करीबन 01:40 पी.एम. पर ब्यूरो कार्यालय उपस्थित आये और परिवारी आरीफ खान ने बताया कि हम दोनों कार्यालय से निजी वाहन से रवाना होकर फलोदी के पास पहुँचे, जहाँ मुझे श्री हम्मीर सिंह जी ने राजबहादुर रेन्जर फलोदी के पास जाने से पूर्व वॉइस रिकॉर्डर चालू कर अपना परिचय देकर दे दिया। इस पर मैं राजबहादुर रेन्जर के पास अन्दर ऑफिस में चला गया और हमीर सिंह जी वहीं आस-पास बाहर ही रुक गये। मैंने ऑफिस में बैठे व्यक्तियों से राजबहादुर रेन्जर के लिये पूछा तो उन्होंने कहा की साहब यहाँ पर ही है, आप बैठो थोड़ी देर में आयेंगे। इसके पश्चात मैं ऑफिस में से निकलकर बाहर आ गया और राजबहादुर जी के इन्तजार में वहीं रुक गया। इसके पश्चात राजबहादुर जी ऑफिस कक्ष में आने पर मैं उनके पास चला गया इसके पश्चात मैंने उनसे मेरे बजरी के डम्फरों के बारे में बातचीत की तो उन्होंने कहा की प्रति डम्फर पांच हजार रुपये लगेगे। मैंने कहा की साहब कुछ कम कर लो तो राजबहादुर जी ने कहा की तु चाहे बी ला, दस ला, सो ला, पचास ला एक डम्फर के पांच हजार रुपये लगेगे इसके बाद उन्होंने एक व्यक्ति को फोन कर अन्दर बुलाया और मेरे से मिलवाया तथा उस व्यक्ति ने अपने नम्बर मुझे दिये और राजबहादुर रेन्जर ने कहा की इनसे मिल लेना ठीक है। मैंने मेरे व राजबहादुर जी के बीच में हुई वार्ता की सभी बातें मैंने वॉइस रिकॉर्डर में रिकॉर्ड कर ली है, इसके बाद मैंने वापिस आकर वॉइस रिकॉर्डर चालू हालत में कानि0 हम्मीर सिंह जी को सुपुर्द कर दिया। जिसने रिकॉर्डर को बन्द कर अपने पास रख लिया और हम दोनों वहाँ से रवाना होकर एसीबी कार्यालय आ गये तथा परिवारी ने बताया की मैंने उस व्यक्ति के बारे में जानकारी की है वह व्यक्ति राजबहादुर का ड्राईवर है। कानि0 हम्मीर सिंह से पूछने पर कानि0 ने परिवारी के कथनो की ताईद की। इस पर हम्मीर सिंह कानि0 से डिजीटल वॉइस रिकॉर्डर प्राप्त कर फर्द प्राप्ति वॉइस रिकॉर्डर पृथक से मुर्तिब कर सम्बंधित के हस्ताक्षर करवाकर शामिल रनिंग नोट की गई। वॉइस रिकॉर्डर को चालू कर रिकार्ड वार्ता को सुना गया तो परिवारी आरीफ खान व आरोपी राजबहादुर की रिश्वत मांग सत्यापन वार्ता रिकॉर्ड होना पायी गयी।

इसके पश्चात समय करीबन 03:15 पी.एम. पर वॉइस रिकॉर्डर में परिवारी आरीफ खान एवं आरोपी राजबहादुर रेन्जर के मध्य वक्त रिश्वती मांग सत्यापन वार्तालाप जो डिजीटल वॉइस रिकॉर्डर में रिकॉर्ड है, को रूबरू गवाहान रमेश कुमार कानि. व हम्मीर सिंह कानि. एवं परिवारी के समक्ष श्री हम्मीर सिंह कानि. से वॉइस रिकॉर्डर को कार्यालय के लेपटॉप से अटैच करवाया जाकर लेपटॉप से टेबल स्पीकर को अटैच करवाकर वक्त रिश्वत मांग सत्यापन वार्ता दिनांक 12.12.2023 को लेपटॉप के डेस्कटॉप पर सेव करवाया जाकर टेबल स्पीकर की मदद से रूबरू गवाहान एवं परिवारी के समक्ष सुना जाकर परिवारी से पूछ-पूछ कर आवाज की पहचान करवाकर फर्द ट्रांसक्रिप्ट तैयार करवाई गई तथा लेपटॉप की मदद से श्री हम्मीर सिंह कानि. से उक्त वार्ता का एक पेन ड्राईव मूल न्यायालय हेतु व तीन डी.वी.डी. क्रमश-दो मुल्जिम एवं आई. ओ. प्रति तैयार करवाई जाकर मूल पेन ड्राईव को मार्क "A" एवं मुल्जिम प्रति व आई.ओ. को क्रमश- मार्क "A-1" A-2 व "A-3" अंकित कर मूल पेन ड्राईव एवं मुल्जिम प्रति डी.वी.डी. को

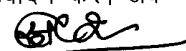


अलग अलग सफेद कपडे की थैलियों में सील मोहर कर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाकर वजह सबूत कब्जा ए.सी.बी. लिया गया एवं आई.ओ. प्रति डी.वी.डी. को कपडे की थैली में रखवाकर सिलवाकर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाकर खुला रखा गया। रूपान्तरण वार्ता से परिवादी के कथन की पुष्टि होना पायी गई। परिवादी आरीफ खान ने बताया की मैंने मेरे स्तर से पता लगाया है, राजबहादुर रेन्जर 4-5 दिन के लिये बाहर गया हुआ है। राजबहादुर जी के आने पर मैं आपके सम्पर्क कर लूंगा। इस पर परिवादी आरीफ खान को हिदायत दी गई की राजबहादुर रेन्जर से सम्पर्क होने पर आप उसी दिन कार्यालय में रिश्वत में दी जाने वाली राशि 5,000/- रुपये का इन्तजाम कर उपस्थित आने की हिदायत देकर रुखस्त किया गया। इसके पश्चात समय करीबन 05:45 पी.एम. पर मूल व मुल्जिम प्रति शील्ड डी.वी.डी. को मालखाना प्रभारी श्री रमेश कुमार कानि. को सुपुर्द कर जमा मालखाना करवाई गई।

इसके उपरान्त दिनांक 21.12.2023 समय करीबन 10.30 ए.एम पर परिवादी आरीफ खान उपस्थित कार्यालय आया और पूछने पर उसने बताया कि मैंने मेरे स्तर पर पता लगाया की राजबहादुर रेन्जर कार्यालय में उपस्थित आया गया है और मैंने पैसे की व्यवस्था करली है। परिवादी से रिश्वती राशि के बारे में पूछा तो उसने बताया कि रिश्वत में दी जाने वाली राशि 5,000/- रुपये का इन्तजाम कर लाया हू। इसके पश्चात समय करीबन 10.45 ए.एम पर श्री रामकेश कानि० को जरिये तहरीर दो स्वतंत्र गवाहान हमराह एसीबी कार्यालय में लाने हेतु कार्यालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सवाई माधोपुर रवाना किया गया। जो 11.00 ए.एम पर अपने साथ दो स्वतंत्र गवाहान के हाजिर कार्यालय आया। कानि. के साथ आये स्वतंत्र गवाहान का नाम-पता व पद पूछा तो दोनो ने अपने-अपने नाम क्रमश श्री बबलूराम यादव पुत्र श्री अनिल कुमार यादव जाति अहीर उम्र 28 वर्ष, निवासी गांव आमोठ, पुलिस थाना मुण्डावर जिला अलवर हाल वरिष्ठ सहायक कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सवाई माधोपुर एवं श्री जितेन्द्र कुमार खंगार पुत्र हरकेश सिंह खंगार, जाति खंगार, उम्र 31 वर्ष निवासी महरावण्ड, पुलिस थाना बाटोदा, जिला सवाई माधोपुर हाल वरिष्ठ सहायक कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सवाई माधोपुर होना बताया। परिवादी कार्यालय हाजा में उपस्थित है, जिससे उक्त दोनो स्वतंत्र गवाहान का आपस में परिचय करवाया गया एवं परिवादी द्वारा पेश रिपोर्ट पढने को दी गई। उक्त दोनो स्वतंत्र गवाहान ने ट्रेप कार्यवाही में स्वतंत्र गवाह रहने की सहमति दी एवं परिवादी द्वारा पेश शुदा रिपोर्ट पर दोनों स्वतंत्र गवाहान ने प्रमाण स्वरूप अपने-अपने हस्ताक्षर किये एवं स्वतंत्र गवाहान को अब तक की कार्यवाही से अवगत कराया गया। इसके पश्चात समय 11.20 ए.एम पर स्वतंत्र गवाहान के सामने मन् अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को परिवादी श्री आरीफ खान ने मांगने पर आरोपी को रिश्वत में दी जाने वाली रिश्वत राशि पांच-पांच सौ रुपये के 10 नोट कुल 5,000/-रुपये अपने पास से निकालकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को पेश किये जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

क्रम संख्या	नोटों का विवरण	नोटों के नम्बर
1	एक नोट 500 रुपये का	1 QP 087346
2	एक नोट 500 रुपये का	9 WM 283403
3	एक नोट 500 रुपये का	1 CS 369977
4	एक नोट 500 रुपये का	6 AH 577604
5	एक नोट 500 रुपये का	2 PN 615784
6	एक नोट 500 रुपये का	0 SW 119191
7	एक नोट 500 रुपये का	3 PW 855944
8	एक नोट 500 रुपये का	0 KL 329224
9	एक नोट 500 रुपये का	8 LC 615200
10	एक नोट 500 रुपये का	3 TE 073442

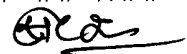
उपरोक्त पेश शुदा नोटों को गवाहान व परिवादी को दिखाया जाकर फर्द में अंकित नम्बरों का मिलान दोनो गवाहान से करवाया गया। तत्पश्चात कार्यवाहक मालखाना प्रभारी श्री रमेश कुमार कानि० 469 से मालखाना खुलवाकर श्री रामकेश कानि० 98 से मालखाने मे रखा फिर्नाफथलीन पाउडर का डिब्बा निकलवाया जाकर श्री रामकेश कानि० 98 से एक अखबार के उपर फिर्नाफथलीन पाउडर निकलवाकर 5,000/-रुपये के उपरोक्त नोटों पर भली-भांति फिर्नाफथलीन पाउडर लगवाया गया तथा परिवादी श्री आरीफ खान की जामा तलाशी स्वतंत्र गवाह श्री बबलूराम यादव से लिवाई गई तो उसके पास पहने हुये परिधान तथा मोबाईल फोन के अलावा अन्य कोई आपत्तीजनक वस्तु नहीं छोड़ी गई। इसके बाद श्री रामकेश कानि० 98 से फिर्नाफथलीन पाउडर लगे हुये 5,000/-रुपयो को परिवादी की पहनी हुये कोट की सामने की बांयी तरफ की जेब में रखवाये गये। परिवादी को समझाईश की गई कि आरोपी से हाथ नहीं मिलावे यदि अभिवादन की आवश्यकता हो तो आरोपी को हाथ जोडकर अभिवादन करे। अब



पाऊडर युक्त रिश्वत राशि को अनावश्यक रूप से हाथ नहीं लगावे और आरोपी के मांगने पर ही उक्त राशि निकालकर देवे तथा आरोपी रिश्वत प्राप्त करने पर अपने सिर पर हाथ फेरकर या मोबाईल से सूचित करे। इसके बाद दोनों गवाहान को भी हिदायत दी गई कि वे यथासम्भव परिवादी व आरोपी के बीच होने वाले रिश्वत के लेन-देन को देखने तथा वार्ता को सुनने का यथासम्भव प्रयास करें। इसके बाद गवाह श्री जितेन्द्र कुमार खंगार से एक पारदर्शी डिस्पोजल में साफ पानी भरवाया और ट्रेप बॉक्स में से सोडियम कार्बोनेट पाउडर का डिब्बा निकलवाकर उक्त स्वतंत्र गवाह श्री जितेन्द्र कुमार खंगार से एक चम्मच सोडियम कार्बोनेट पाउडर उक्त डिस्पोजल के पानी में डलवाकर घोल तैयार करवाया गया तो घोल का रंग अपरिवर्तित रहा, जिसे उपस्थित हाजरीन को दिखाया गया तो सभी ने घोल का रंग अपरिवर्तित होना बताया। इसके बाद उक्त डिस्पोजल के घोल में नोटो पर फिनोफथलीन पाऊडर लगाने वाले श्री रामकेश कानि० ९८ के दाहिने हाथ की अंगुलियों व अंगुठे को डुबोकर धुलवाया गया तो डिस्पोजल के धोवन का रंग गहरा गुलाबी हो गया, जिसे उपस्थित हाजरीन ने गहरा गुलाबी होना स्वीकार किया। इस प्रकार परिवादी एवं दोनों स्वतंत्र गवाहान को फिनोफथलीन व सोडियम कार्बोनेट पाउडर की रासायनिक प्रतिक्रिया के महत्व को दृष्टांत दिलवाकर समझाया गया और श्री रामकेश कानि० ९८ से फिनाफथलीन पाउडर के डिब्बे का ढक्कन बंद करवाकर मालखाने में रखवाया गया तथा गवाह श्री जितेन्द्र कुमार खंगार से सोडियम कार्बोनेट पाऊडर के डिब्बे को ट्रेप बॉक्स में रखवाया गया। कार्यवाहक मालखाना प्रभारी श्री रमेश कुमार कानि० ४६९ से ट्रेप बाक्स तैयार करवाया गया। इसके बाद रामकेश कानि. से डिस्पोजल के धोवन को कार्यालय परिसर के बाहर फिकवाया गया तथा डिस्पोजल और काम में लिये गये अखबार को जलवाकर नष्ट करवाया गया तथा रामकेश कानि. के दोनों हाथों को साबुन पानी से साफ करवाया गया। इसके बाद दोनों स्वतंत्र गवाहान, परिवादी श्री आरीफ खान एवं ट्रेप पार्टी सदस्यों के हाथ साबुन पानी से धुलवाये गये तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा भी अपने हाथ साबुन पानी से साफ किये। इसके बाद परिवादी को छोड़कर उपरोक्त की आपस में जामा तलाशी लिवाई गई तो दोनों गवाह के पास मोबाईल फोन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पास विभागीय पहचान पत्र व मोबाईल फोन के अलावा अन्य कोई आपत्तीजनक वस्तु नहीं छोड़ी गई। इसके बाद परिवादी श्री आरीफ खान को रिश्वत लेन-देन के समय होने वाली वार्ता को रिकॉर्ड करने के लिये विभागीय वॉईस रिकॉर्डर चालू व बन्द करने की विधि समझाया जाकर आवश्यक हिदायत दी जाकर सुपुर्द किया गया। फर्द पेशकशी एवं सुपुर्दगी नोट तथा दृष्टांत फिनोफथलीन पाउडर एवं सोडियम कार्बोनेट पाउडर पृथक से तैयार की जाकर शामिल पत्रावली की गई।

इसके उपरान्त समय करीबन ०१.०५ पीएम पर परिवादी श्री आरीफ खान व श्री हम्मीर सिंह कानि. स्वतंत्र गवाह बबलूराम यादव व संजय कुमार कानि० को परिवादी के निजी वाहन से फलौदी के लिये रवाना कर उनके पीछे-पीछे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय स्वतंत्र गवाहान श्री जितेन्द्र कुमार खंगार, भोलाराम कानि., रमेश कुमार कानि., मनोज कुमार कानि. मय प्राईवेट वाहन के एसीबी कार्यालय से मय सरकारी लेपटॉप, प्रिंटर एवं ट्रेप बॉक्स के फलौदी के लिए वास्ते ट्रेप कार्यवाही हेतु रवाना हुआ। नोटो पर कलर लगाने वाले रामकेश कानि. ९८ को मुनासिफ हिदायत कर ब्यूरो चौकी छोड़ा गया। इसके पश्चात समय करीबन ०२.०० पीएम पर मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय हमराहीयान के उपरोक्त फिकरा का रवानाशुदा फलौदी वन विभाग चौकी के नजदीक पहुंचा। जहां पर परिवादी को अपने निजी वाहन से उतारकर वाईस रिकॉर्डर चालू कर फलौदी वन विभाग चौकी में आरोपी राजबहादुर के पास जाने की मुनासिब हिदायत कर रवाना किया गया तथा परिवादी के पीछे-पीछे कानि० हम्मीर सिंह को रवाना कर मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय शेष ट्रेप पार्टी अपनी उपस्थिति छिपाते हुये मुकीम हुये। परिवादी आगे-आगे चलकर फलौदी वन विभाग चौकी में अन्दर प्रवेश कर चुका है परिवादी के नियत ईशारे का इंतजार है। तत्पश्चात समय करीबन समय ०२.१३ पीएम पर स्वतंत्र गवाहान के समक्ष मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को परिवादी श्री आरिफ खान ने रिश्वत स्वीकृति का मुकर्रर ईशारा किया। इस पर मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय दोनों स्वतंत्र गवाहान व हमराहीयान को अवगत कराते हुये मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय हमराहीयान के परिवादी आरीफ खान के पास फलोदी वन विभाग की चौकी के अन्दर पहुंचा। जहां पर मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने परिवादी आरीफ खान से वाईस रिकार्डर प्राप्त कर बन्द कर अपने पास सुरक्षित रख लिया तथा परिवादी ने अपने पास ही खड़े व्यक्ति की ओर ईशारा कर बताया कि यही राजबहादुर रेन्जर का ड्राईवर, जिसने मेरे से रिश्वत राशि ५,०००/- रुपये लेकर अपने बांये हाथ में लेकर दांये हाथ में रख लिये। इसके पश्चात मैने आपको और आपकी टीम को रिश्वती स्वीकृति का ईशारा कर दिया था। इसके कुछ समय बाद ही आप और आपकी टीम यहां पर आ गयी। इस पर मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने परिवादी के बताये अनुसार पास ही खड़े व्यक्ति को अपना व ट्रेप पार्टी का परिचय देकर उसका नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम घबराते हुये रामजीलाल जाट होमगार्ड होना बताया। इस पर मन अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक ने आरोपी रामजीलाल जाट को यथास्थिति रहने की हिदायत कर आरोपी राजबहादुर रेन्जर के बारे में पूछा तो आरोपी रामजीलाल जाट ने ऑफिस में ही अपने निवास पर होना बताया, इस पर मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय स्वतंत्र गवाहान मय ट्रेप पार्टी के आरोपी रामजीलाल को यथास्थिति में अपने साथ लेकर फलोदी चौकी में स्थित रेन्जर निवास पर पहुंचा, जहां पर एक व्यक्ति निवास की छत पर खड़ा हुआ नजर आया, जिसे मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने हमराहीयान की मदद से छत के उपर से नीचे उतार कर दोनो आरोपीगण को यथास्थिति में मय हमराहीयान व परिवारी के फलोदी वन विभाग चौकी के अन्दर बने दाहिने तरफ के कमरे में लेकर आया, उक्त कमरे में कार्यालय क्षेत्रीय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर का बोर्ड लगा हुआ था, जिस पर क्षेत्रीय वन अधिकारियों के नाम लिखे हुये थे, उक्त कमरे में आरोपीगण राजबहादुर रेन्जर व रामजीलाल जाट होमगार्ड ड्राईवर को तसल्ली देकर उनका नाम पता पूछा तो आरोपी रामजीलाल जाट होमगार्ड ड्राईवर ने अपना नाम रामजीलाल पुत्र रामकुमार जाति जाट उम्र 46 वर्ष, निवासी टींगला पुलिस थाना मानटाउन जिला सवाई माधोपुर हाल होमगार्ड नम्बर 149 सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर होना बताया तथा राजबहादुर रेन्जर ने अपना नाम राजबहादुर मीना पुत्र सन्तराम मीना जाति मीना, उम्र 33 वर्ष, निवासी खानपुर मीना, तहसील बाडी जिला धौलपुर हाल क्षेत्रीय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर होना बताया। इसके पश्चात मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने आरोपी रामजीलाल जाट से परिवारी से किस बात के लिये तो आरोपी रामजीलाल जाट होमगार्ड ड्राईवर ने बताया की आरीफ खान ने अभी थोड़ी देर पहले मेरे पास फोन करके कहा की कहां हो तो मैंने कहा की ऑफिस में ही गाडी धो रहा हूँ। इसके थोड़ी देर बाद आरीफ खान मेरे पास आ गया और मेरे से कहा की साहब किधर है तो मैंने कहा की साहब नहा रहे है। इसके बाद आरीफ खान ने मुझे पांच हजार रुपये देते हुये कहा की गिन लो, मैंने गिने नही और अपने पास रख लिये। इसके पश्चात आरोपी राजबहादुर क्षेत्रीय वन अधिकारी से परिवारी से किस बात के लिये पांच हजार रुपये मांगने बाबत पूछा तो आरोपी राजबहादुर ने बताया की दिनांक 12.12.2023 को मेरे पास फलौदी वन विभाग की चौकी में आया था, आरीफ खान ने मेरे से कहा की हमारे डम्पर चलेंगे। आरीफ खान ने कहा मैं आपको प्रति डम्पर दो हजार रुपये दे दूंगा, इस पर मैंने कहा की दो हजार क्या पांच हजार दे देना। इसके बाद आरीफ खान बाहर चला गया और हमारे ड्राईवर और स्टाफ से बात करने लग गया। इसके पश्चात मैंने आरीफ खान से कहा की बजरी से हमारा कोई लेना-देना नही है, जो करना है जो करना चाहे मंदिर पर चढा देना। इस पर पास ही खडे परिवारी ने आरोपी रामजीलाल होमगार्ड ड्राईवर व राजबहादुर रेन्जर की बातों का खण्डन करते हुये बताया की मैं अपने डम्पर से रवानाशुदा बजरी का परिवहन करता हूँ और जब भी मैं भी डम्पर लेकर फलोदी वन विभाग की चौकी की तरफ से निकलता हूँ तो राजबहादुर रेन्जर मुझे कार्यवाही करने की धमकी देकर रिश्वत मांगता था, इसलिये मैंने दिनांक 12.12.2023 को मैंने आपके कार्यालय में राजबहादुर रेन्जर को रंगे हाथ रिश्वत लेते हुये पकडवाने बाबत प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर आप द्वारा आपके कार्यालय के कर्मचारी हम्मीर सिंह को रिकॉर्डर देकर मेरे साथ फलौदी वन विभाग की चौकी पर रिश्वत मांग सत्यापन हेतु भेजा था। इसके बाद हम्मीर जी फलौदी वन विभाग की चौकी के पास मुझे रिकॉर्डर चालू कर चौकी के अन्दर भेज दिया जहां पर मुझे राजबहादुर जी मिले और राजबहादुर जी ने मेरे से प्रति डम्पर पांच हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी और राजबहादुर जी ने मेरा सम्पर्क उनके ड्राईवर से करवाकर ड्राईवर के नम्बर दिये थे, की जब भी आओ इनसे सम्पर्क कर लेना। इसके बाद आज दिनांक 12.12.2023 को मैंने ड्राईवर को फोन करके कहा की साहब है क्या तो ड्राईवर ने कहा की साहब ऑफिस में ही और मैं भी ऑफिस में ही हूँ, गाडी धो रहा हूँ। इसके पश्चात मैं फलौदी वन विभाग की चौकी के अन्दर आ गया जहां पर ड्राईवर गाडी धो रहा था, मैं ड्राईवर के पास गया तो ड्राईवर ने कहा की बताओ तो मैंने कहा की आज शाम को मेरा आना नही होगा, इसके बाद मैंने ड्राईवर को पांच हजार रुपये दे दिये, ड्राईवर ने कहा की कितने है मैंने कहा की गिन लो तो ड्राईवर ने कहा की तूम ही बता दो मैंने कहा की पांच है और मैंने कहा की एक बन्दा और आया है, इसके बाद मैंने आपको रिश्वत स्वीकृति का ईशारा कर दिया था। इसके पश्चात मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने स्वतंत्र गवाह श्री बबलूराम यादव से आरोपी रामजीलाल जाट के दाहिने हाथ में पकडी हुई रिश्वति राशि को आरोपी रामजीलाल जाट से सीधे ही स्वतंत्र गवाह को दिलवायी जाकर गवाह बबलूराम यादव से गिनवाये गये तो 500-500 रु. के 10 नोट कुल 5,000/-रु. होना पाये गये, जिनका मिलान एसीबी कार्यालय सवाई माधोपुर में बनी फर्द पेशकशी से करवाया गया तो हुबहु वही नम्बरी नोट पाये गये। रिश्वती राशि 5,000/-रुपये के नम्बरी नोटो को बतौर बजह सबूत एक सफेद कागज के साथ सिलवाकर सील मोहर कर कागज पर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाकर बतौर वजह सबूत जप्त कर कब्जा ए.सी.बी. लिया गया। इसके पश्चात् गाडी से ट्रेप बॉक्स मंगवाया जाकर ट्रेप बाक्स में से दो पारदर्शी डिस्पोजल में गवाह श्री जितेन्द्र कुमार खंगार से वहीं से साफ पानी भरवाया



जाकर एक-एक चम्मच सोडियम कार्बोनेट पाउडर डालकर घोल तैयार कर दोनो डिस्पोजल को उचित दूरी पर रखवाकर हाजरीन को दिखाया गया तो घोल का रंग अपरिवर्तित रहा। उक्त तैयारशुदा दोनो घोल के पारदर्शी डिस्पोजल में आरोपी रामजीलाल जाट ड्राईवर के दाहिने हाथ की अंगुलियों व अंगूठे व बांये हाथ की अंगुलिया व अंगूठे को डूबोकर बारी-बारी से धूलवाया गया तो धोवन का रंग हल्का गुलाबी हो गया जिसको हाजरीन को दिखाया गया तो धोवन का रंग हल्का गुलाबी होना स्वीकार किया। उक्त धोवन को दो-दो साफ कांच की शिशियों में आधा-आधा भरवाकर सिल्ड चिट कर दाहिने हाथ के धोवन को मार्क आर-1, आर-2 व बांये हाथ के धोवन को मार्क एल-1, एल-2 अंकित कर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाये जाकर कब्जा एसीबी लिया गया। इसके बाद परिवादी श्री आरीफ खान को सुपुर्द शुदा विभागीय वाईस रिकार्डर जो पूर्व में प्राप्त किया गया था, जो मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पास सुरक्षित है को लेपटॉप में कनेक्ट करवा कर उक्त वार्ता को चालू कर ईयरफोन लगा कर सुना गया तो परिवादी श्री आरीफ खान एवं आरोपी रामजीलाल जाट होमगार्ड के मध्य रिश्त लेन-देन के समय की वार्ता रिकार्ड होना पाई गई। वाईस रिकार्डर को सुरक्षित रखा गया। वक्त रिश्त लेन-देन वार्ता की फर्द ट्रांसक्रिप्ट ब्यूरो कार्यालय चौकी सवाईमाधोपुर पहुंच पृथक से तैयार की जावेगी। इसके बाद परिवादी श्री आरीफ खान एवं आरोपीगण राजबहादुर क्षेत्रिय वन अधिकारी, रामजीलाल होमगार्ड ड्राईवर से आपस में एक दूसरे से किसी प्रकार की रंजिश अथवा पैसे आदि के लेन-देन शेष होने बाबत पूछा तो स्वेच्छा से किसी प्रकार की रंजिश या लेन देन होने से मना किया। उक्त कार्यवाही की फर्द हाथ धुलाई एवं बरामदगी तैयार कर सम्बन्धित के हस्ताक्षर करवाये गये।

इसके उपरान्त समय करीबन 04.50 पी.एम. पर मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वतंत्र गवाहान के समक्ष आरोपी राजबहादुर मीना पुत्र सन्तराम मीना जाति मीना, उम्र 33 वर्ष, निवासी खानपुर मीना, तहसील बाडी जिला धौलपुर हाल क्षेत्रिय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलोदी, जिला सवाई माधोपुर को जुर्म धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) व 120 बी भा0द0स0 तथा समय 05.00 पी.एम पर रामजीलाल पुत्र रामकुमार जाति जाट उम्र 46 वर्ष, निवासी ठींगला पुलिस थाना मानटाउन जिला सवाई माधोपुर हाल होमगार्ड नम्बर 149 सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलोदी, जिला सवाई माधोपुर को 7ए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) व 120 बी भा0द0स0 में लिप्त पाये जाने पर गिरफ्तार किया गया। इसके पश्चात समय 05:10 पी.एम पर दोनों स्वतंत्र गवाहान के समक्ष परिवादी आरीफ खान की निशादेही से घटनास्थल का नजरी निरीक्षण कर आरोपी रामजीलाल जाट होमगार्ड द्वारा कार्यालय क्षेत्रिय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलोदी में ली गई रिश्त राशि का नक्शा मौका व हालात मौका कशीद किया जाकर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाकर शामिल पत्रावली किया गया।

इसके उपरान्त समय करीबन 05:35 पी.एम. पर मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मय दोनों स्वतंत्र गवाहान, परिवादी एवं ट्रेप पार्टी के सदस्यों के मय बरामद शील्ड शुदा नम्बरी रिश्त राशि 5,000 रुपये, लेपटॉप, प्रिन्टर, ईयरफोन, ट्रेप बॉक्स व जप्त/शील्डशुदा माल वजह सबूत आदि मुताबिक फर्दात के बाद ट्रेप कार्यवाही में गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण राजबहादुर मीना क्षेत्रिय वन अधिकारी, रामजीलाल जाट होमगार्ड को लेकर जरिए निजी वाहनो के क्षेत्रिय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य रेन्ज फलोदी सवाई माधोपुर से ए.सी.बी. कार्यालय सवाई माधोपुर के लिए रवाना होकर समय 06.35 पी.एम पर ब्यूरो चौकी सवाई माधोपुर पहुंचे। जहां पर ट्रेप कार्यवाही में जप्त/शील्ड शुदा नम्बरी रिश्त राशि 5000/-रु., धोवन की शील्ड शीशीयां मार्क आर-1, आर-2, एल-1, एल-2 को कार्यवाहक मुख्य आरक्षक श्री रमेश कुमार कानि. 469 को सुपुर्द कर जमा मालखाना करवाया गया। अभियुक्त को कार्यालय में जाप्ता निगरानी में रखा गया। इसके पश्चात समय करीबन 07:00 पी.एम. पर वाईस रिकार्डर में वक्त रिश्त लेन-देन परिवादी श्री आरीफ खान व अभियुक्त रामजीलाल होमगार्ड के मध्य रिकार्ड वार्ता दिनांक 21.12.2023 की स्वतंत्र गवाहान जितेन्द्र कुमार खंगार एवं श्री बबलूराम यादव की मौजूदगी में परिवादी श्री आरीफ खान से पूछ-पूछ कर श्री हम्मीर सिंह कानि0 02 से ट्रांसक्रिप्ट तैयार करवाई गई। कार्यालय के लेपटॉप की मदद से श्री हम्मीर सिंह कानि0 02 से एक पेन ड्राईव मूल न्यायालय हेतु व तीन डी.वी.डी. क्रमशः दो मुल्जिम प्रति व एक आई.ओ. प्रति तैयार करवाकर मूल पेन ड्राईव को मार्क B व डब शुदा डीवीडीयां मुल्जिम प्रति मार्क-B-1, B-2 अंकित करवा कर मूल पेन ड्राईव व मुल्जिम प्रति डीवीडीयां को सफेद कपड़े की थैली में अलग अलग सील मोहर कर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाकर वास्ते वजह सबूत जप्त कर कब्जा ए.सी.बी. लिया गया एवं आई.ओ. प्रति डी.वी.डी. को मार्क-B-3 अंकित कर सफेद कपड़े की थैली में रखकर सिलवाकर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाकर पत्रावली पर खुला रखा गया एवं ट्रेप कार्यवाही में उपयोग में लिये वाईस रिकार्डर में लगे मैमोरी कार्ड को एक खाली माचिस की डिब्बी में रखकर माचिस की डिब्बी को सफेद कपड़े की थैली में रखकर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाये जाकर सील मोहर कर थैली पर मार्क 'SD' अंकित कर कब्जा

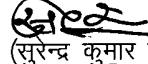


एसीबी लिया गया तथा मूल पेन ड्राईव व मुलजिम प्रति डीवीडी कुल 02 को व मेमोरी कार्ड को मालखाना प्रभारी श्री रमेश कुमार कानि. को सुपुर्द कर जमा मालखाना करवाया गया।

इसके पश्चात समय करीबन 08:35 पी.एम. पर मन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा श्री हम्मीर सिंह कानि., श्री राजवीर सिंह कानि., श्री रमेश कुमार कानि. एवं गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण राजबहादुर मीना क्षेत्रीय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर, रामजीलाल जाट होमगार्ड नम्बर 149 सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर का स्वास्थ्य परीक्षण कराने हेतु पृथक से ड्यूटी ऑफीसर सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर के नाम तहरीर जारी कर मय वाहन सरकारी बोलरो मय कानि. चालक श्री संजय कुमार 340 के सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर के लिये रवाना किया गया, जो समय करीबन 09.20 पी.एम पर अभियुक्तगण का स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर ब्यूरो चौकी उपस्थित आये। अभियुक्तगण को जाप्ते की निगरानी में रखा गया।

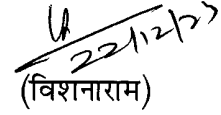
इसके पश्चात समय करीबन 10.00 पी.एम पर ट्रेप कार्यवाही में वजह सबूत को सील्ड करने के काम में ली गई पीतल की सील नं० 55 को परिवादी व गवाहान की मौजूदगी में पत्थर से तुड़वा कर जरिये फर्द नष्ट किया गया। जिसकी फर्द पृथक से मुर्तिब की जाकर सम्बंधित के हस्ताक्षर करवाकर फर्द शामिल पत्रावली की गई।

सम्पूर्ण ट्रेप कार्यवाही से अभियुक्त राजबहादुर मीना पुत्र सन्तराम मीना जाति मीना, उम्र 33 वर्ष, निवासी खानपुर मीना, तहसील बाडी जिला धौलपुर हाल क्षेत्रीय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर, द्वारा स्वयं का लोक सेवक होते हुये अपने वैध पारिश्रमिक के अलावा पदीय कार्य करने में अपने पद का दुरुपयोग कर भ्रष्ट एवं अवैध तरीके से परिवादी आरीफ खान से परिवादी के डम्पर में रवाना शुदा बजरी का परिवहन करने देने व कार्यवाही करने की धमकी देकर कार्यवाही नहीं करने की एवज में परिवादी आरीफ खान से दिनांक 12.12.2023 को वक्त रिश्वत मांग सत्यापन 5,000/- रुपये प्रति डम्पर की मांग करना पाया गया तथा अपने ड्राईवर से सम्पर्क कर रिश्वत राशि ड्राईवर रामजीलाल जाट होमगार्ड को देने की मांग के अनुशरण में दिनांक 21.12.2023 को स्वतंत्र गवाहान की उपस्थिति में ट्रेप कार्यवाही का आयोजन किया गया। आरोपी राजबहादुर क्षेत्रीय वन अधिकारी के कहे अनुसार अभियुक्त रामजीलाल पुत्र रामकुमार जाति जाट उम्र 46 वर्ष, निवासी ठींगला पुलिस थाना मानटाउन जिला सवाई माधोपुर हाल होमगार्ड नम्बर 149 सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर को कार्यालय क्षेत्रीय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर में 5,000/- रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथो पकडा गया तथा आरोपित राजबहादुर मीना क्षेत्रीय वन अधिकारी को उक्त मांग के अनुशरण में आरोपी रामजीलाल जाट होमगार्ड द्वारा रिश्वत राशि लेने के उपरान्त कार्यालय में मौजूद राजबहादुर मीना क्षेत्रीय वन अधिकारी को पकडा गया। अतः आरोपित राजबहादुर मीना पुत्र सन्तराम मीना जाति मीना, उम्र 33 वर्ष, निवासी खानपुर मीना, तहसील बाडी जिला धौलपुर हाल क्षेत्रीय वन अधिकारी सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर का उक्त कृत्य अन्तर्गत धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) व 120 बी भा0द0स0 तथा आरोपी रामजीलाल पुत्र रामकुमार जाति जाट उम्र 46 वर्ष, निवासी ठींगला पुलिस थाना मानटाउन जिला सवाई माधोपुर हाल होमगार्ड नम्बर 149 सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर का उक्त कृत्य अन्तर्गत धारा 7ए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) व 120 बी भा0द0स0 में प्रथम दृष्टया बनना पाया जाता है। अतः प्रथम सूचना रिपोर्ट वास्ते क्रमांकन ब्यूरो मुख्यालय प्रेषित है।


(सुरेन्द्र कुमार शर्मा)
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक
क्षेत्रीय निरोधक ब्यूरो
सवाई माधोपुर

कार्यवाही पुलिस

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त टाईप शुदा बिना नम्बरी प्रथम सूचना रिपोर्ट श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, सवाई माधोपुर ने प्रेषित की है। मजमून रिपोर्ट से आरोपीगण 1. श्री राजबहादुर मीना पुत्र सन्तराम मीना, क्षेत्रीय वन अधिकारी, सवाई माधोपुर के विरूद्ध जुर्म धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (यथा संशोधित 2018) एवं 120बी भादंस में तथा आरोपी 2. श्री राजमजीलाल पुत्र श्री रामकुमार, होमगार्ड नम्बर 149, सवाई मानसिंह अभ्यारण्य फलौदी, जिला सवाई माधोपुर के विरूद्ध जुर्म धारा 7ए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (यथा संशोधित 2018) व 120बी भादंस का घटित होना पाया जाता है। अतः प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 309/2023 उपरोक्त धाराओं में दर्ज कर प्रथम सूचना रिपोर्ट की प्रतियाँ नियमानुसार कता कर तफ्तीश जारी है।


(विशनाराम)

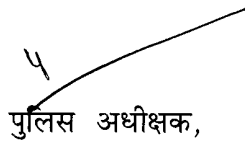
पुलिस अधीक्षक,
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर।

क्रमांक:- 3162-66

दिनांक 22.12.2023

प्रतिलिपि:-सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

1. विशिष्ट न्यायाधीश एवं सेशन न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, भरतपुर।
2. उप महानिरीक्षक पुलिस-द्वितीय, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर।
3. प्रधान मुख्य वन संरक्षक(वन बल प्रमुख), राजस्थान, जयपुर।
4. समादेष्टा, गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, सवाई माधोपुर।
5. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, सवाई माधोपुर।


पुलिस अधीक्षक,

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर।